प्रैस रिलीज

डी.एम.डबल्यू द्वारा निर्मित पहले WAG-9HC विद्युत रेलइंजन को भारतीय रेल्वे को स्मर्पित करने पर प्रेस विज्ञप्ति

" मेक इन इंडिया " पहल के तहत, डीजल रेलइंजन आधुनिकीकरण कारखाना, पटियाला ने अपने पहले अत्याधुनिक नवीनतम तकनीक के कंप्यूटर नियंत्रित 6000 एचपी 3-फेस फ्रेट WAG-9HC रेलइंजन नं. 41501 को इस वर्ष 24 मार्च को निर्मित कर पूर्व मध्य रेल्वे, गोमोह को भेजा गया ।

3-फेस विद्युत रेलइंजन का निर्माण कर्षण ऊर्जा लागत को बचाने की दिशा में एक प्रमुख कदम है और यह कार्बन उत्सर्जन में भी कटौती करता है, क्योंकि ऐसे रेलइंजन अधिक ऊर्जा कुशल होते हैं और ब्रेक लगाते हुए विद्युत ऊर्जा में गतिज ऊर्जा को परिवर्तित करते हैं और विद्युत ऊर्जा प्राप्त करते हैं और इसे रेलवे ओ.एच.ई. नेटवर्क को वापस भेजते हैं जिससे अन्य आस-पास के विद्युत रेलइंजनों को रेलवे नेटवर्क की सहायता से बिजली प्रदान की जाती है।

इस रेलइंजन का वजन 132 टन है और इसमें 510 केएन का शुरुआती ट्रैक्टिव प्रयास है। रेलवे ट्रैक की निर्दिष्ट शर्तों के तहत 100 कि.मी. प्रति घंटे की अधिकतम गति की अनुमति है। यह रेलइंजन अत्याधुनिक आईजीबीटी आधारित ऊर्जा कुशल पावर कन्वर्टर्स के साथ-साथ सहायक कन्वर्टर्स से लैस है। चालक दल के केबिन पूरी तरह से वातानुकूलित हैं क्योंकि दोनों केबिन रूफ माउंटेड कैब एसी से सुसज्जित हैं। ढुलाई क्षमता बढ़ाने के लिए, इन इंजनों का उपयोग बहु परिचालन में भी किया जा सकता है जहां दो बहु लोको यूनिट होती है।

श्री एस एन दुबे, प्रमुख मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/ डी.एम.डब्ल्यू. पटियाला ने कार्य स्थल पर कोविड -19 के चुनौतीपूर्ण परिदृश्य के बावजूद इस नए रेलइंजन के निर्माण के लिए डी.एम.डब्ल्यू. के कर्मचारियों, पर्यवेक्षकों और अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की।

DMW/CAO/PR/Press Release Dt. 26.3.2021